Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

सीएम बताएं क्या चारों धामों में भी कोरोना भेजना चाहते है

सरकार के पास कोई ब्लू प्रिंट नही हैः धस्माना

आरोप

■ मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत पर अजीबो गरीब निर्णय लेने का आरोप

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने अब तक के पूरे कोरोना काल में राज्य के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत पर अजीबो गरीब निर्णय लेने का आरोप लगाया। उन्होंने चार धाम यात्रा आठ जून से शुरू करने के सरकार की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लगता है मुख्यमंत्री जी अब चारों धामों में कोरोना भेजना चाह रहे हैं।

उन्हों ने कहा कि ऐसी परिस्तिथियों में इस यात्रा का सरकार के पास कोई ब्लू प्रिंट नहीं है कि कैसे यात्रा करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी राज्य व देश में कोरोना संक्रमण नियंत्रण में नहीं है, बल्कि लगातार संक्रमण बड़ रहा है और लोगों में भय का वातावरण है। उन्ह्होंने कहा कि उत्तराखंड में संक्रमण पर नियंत्रण करने की ठोस नीति न बनने के कारण लगातार लोग संक्रमित हो रहे हैं। अस्पतालों में मरीज भर्ती करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है और टेस्ट के सात हजार सैंपल अभी बैकलॉग में नतीजों का इंतजार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चारों धामों के पंडा पुरोहित, यात्रा रूटों के व्यापारी अभी यात्रा शुरू करने के पक्ष में नहीं। चार धाम यात्रा में देश के हर प्रान्त से यात्री आता है। उन्होंने कहा कि जो यात्री संक्रमण वाले राज्य से आएगा उसको क्या सरकार पहले 14 दिन क्वारंटाइन करेगी फिर यात्रा में भेजेगी। कितने यात्री किस वाहन में जा पाएंगे। ऐसे बहुत से सवाल हैं, जिनके बारे में स्पष्टता के बिना यात्रा खतरे से खाली नहीं है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान हालातों में तो यात्रा शुरू करवाने का मतलब कोरोना संक्रमण को फैलाने का पूरा इंतजाम करने जैसा ही होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस संबंध में तुरंत पुनर्विचार कर यात्रा स्थगित रखने की मांग की।

शनिवार और रविवार को बंद रहेंगे नगर निगम क्षेत्रांतर्गत अवस्थित सभी प्रतिष्ठानः डीएम

संवाददाता देहरादून। जिलाधिकारी डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि जनपद देहरादून में कोविड–19 संक्रमित व्यक्तियों के निरन्तर चिह्नित होने के फलस्वरूप संक्रमण के प्रसार को रोकने हेतु सुरक्षात्मक उपाय के दृष्टिगत शनिवार तथा रविवार को सभी नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत अवस्थित सभी प्रतिष्ठान/दुकानें पूर्णतः बन्द रहेंगी। इस अवधि में नगर निगम देहरादून द्वारा नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत सभी प्रतिष्ठानों, दुकानों, सभी कार्यालय तथा सार्वजनिक स्थलों पर सैनिटाइजेशन का कार्य किया जायेगा। इस दौरान अस्पताल में ओपीडी खुली रहेंगी।

विज्ञप्ति जारी किये जाने तक वायु सेवा के माध्यम से जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट पर पहुंचे प्रवासी 342 व्यक्तियों को स्वास्थ्य जांच उपरान्त जनपद में प्रशासन द्वारा अधिग्रहित विभिन्न होटल में संस्थागत क्वारेंटीन किया गया है। इसी प्रकार जनपद के जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट से विभिन्न प्रदेशों के 277 व्यक्तियों को गंतव्यों हेतु भेजा गया। विज्ञप्ति जारी किये जाने तक आज देहरादून रेलवे स्टेशन पर काठ गोदाम से 109 व्यक्ति पंहुचे, तथा देहरादून से नई दिल्ली हेतु 269 व्यक्ति गये। जनपद के विभिन्न चयनित स्थानों पर प्रशासन द्वारा अधिकृत 20 मोबाईल वैन के माध्यम से सस्ते दरों पर 123.60 क्विंटल फल–सब्जियों का विक्रय किया गया।

न्यूज डायरी

जिले 21710 लोगों ने पूरा किया होम क्वारंटाइन

संवाददाता पिथौरागढ़। जिले में अब तक बाहरी राज्यों से 32724 लोग बा चुके है। 21,710 लोगों ने अपना होम क्वारंटाइन पूरा कर लिया है। 2,536 लोगों को संस्थागत क्वारंटाइन में रखा गया है। 8,451 लोग होम क्वारंटाइन में रखे गये है। जिले में अब तक कोरोना पाजिटिवों की संख्या 28 हो चुकी है।

बीएसएनएल की सेवा चरमराई

संवाददाता पिथौरागढ़। बीते मंगलवार की रात को अल्मोड़ा एक्सचेंज में आग लग गयी। जिले व सीमांत तहसील क्षेत्रों में संचार सेवा ठप हो गई है। बता दें कि जिले में बीएसएनएल के पचास हजार से भी ज्यादा उपभोक्ता है। जिले के अलावा धारचूला मुंसयारी व झूलाघाट में भी बीएसएनएल की सेवा चरमरा गई है। जिले व क्षेत्र के लोग संचार सेवा का लाभ न मिल पाने के कारण मायूस हो चुके है।

प्रशासन नहीं ले पाया निर्णय

संवाददाता पिथौरागढ़। जिले के एक होटल में कोरोना संक्रमित मिलने के बाद होटल स्वामी ने नाराजगी जाहिर की है। बता दें कि चाररोज पूर्व जिले के होटल में संस्थागत क्वारंटाइन कर रहे प्रवासी में से एक प्रवासी को कोरोना संक्रमित पाया गया जिसके चलते होटल स्वामी ने यह मामला जिलाधिकारी के समक्ष रखते हुए अन्य प्रवासियों को उनके होटल से स्थानारित करने की मांग की है। जिला प्रशासन इस मामले पर अब तक कोइ निर्णय नही ले पाया है।

आंवला व नीम के पौधे रोपकर पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प

संवाददाता डोईवाला। विश्व पर्यावरण दिवस पर आदर्श संस्था की अध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश सदस्य व पूर्व सभासद आशा कोठारी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष प्रकाश कोठारी, पूर्व सभासद हरीश कोठारी व शाहिद अली ने भी मिस्सरवाला कोठारी कॉलोनी में भी आंवला व नीम के पौधे रोप कर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर कहा गया कि केंद्र व उत्तराखंड सरकार भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आगे बढ़कर कार्य कर रही है। आओ हम सब शपथ लें कि अपने उत्तराखंड को हरा–भरा बनाने के साथ पर्यावरण मुक्त बनाएं। इसके लिए अपने घर के बाहर परिसर व खेतों में फलदार, औषधि व विभिन्न प्रजातियों के पौधे अवश्य लगाएं। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो हमारी वर्तमान व आने वाली पीढ़ी भी सुरक्षित रहेगी।

बुग्याल में पर्यटन की अपार संभावनाएं

संवाददाता पुरोला। अपर यमुना वन प्रभाग के डीएफओ सुबोध काला ने सरबडियाड क्षेत्र के गांव व वन क्षेत्र के भूस्खलन का 3 दिवसीय भ्रमण कर आठों गांव किमडार, गोल, कस्लावं, डिगांडी,पौंटीसर,छानिका व लेवटाडी के ग्रामीणों की वनसंबंधित समस्याएं सुनी कहा कि क्षेत्र के ग्रामीणों की आजीविका भेड बकरी व जंगलों से जुडी है, मानीर,पुष्टारा,खिमोत्रा, सरूताल आदि बुग्याल में पर्यटन की अपार संभावनाएं है किंतु आवाजाही को पैदल मार्ग व रात्री विश्राम की व्यवस्था न होने व प्रचार प्रसार न होने से बहुत कम पर्यटक ही सरबडियाड रास्ते केदारकांठा, पुष्टारा,मानीर,खिमोत्रा व सरूताल का दिदार कर पाते हैं।

डीएफओ काला ने बताया कि उक्त क्षेत्र के पर्यटन ताल व बुग्यालों तक देशी विदेशी पर्यटकों की सुविधा व वन मार्गों को दुरुस्त करनें,प्रचार प्रसार,रात्री विश्राम को सरूताल में रेस्ट हाउस व रास्ते में रेन बसेरे बनाने को जल्द प्राकलंन तैयार कर शासन से बजट की मांग की जायेगी साथही क्षेत्र के ग्रामीणों की आवाजाही को पुरोला गुंदियाटगांव–कंडियाल गांव,सरबडियाड पुराने पैदल ट्रैक मार्ग को पर्यटक रूट के रूप में मरम्मत व विकसित किया जायेगा जबकि ताल व बुग्यालों में हो रहे भूस्खलन व कटाव रोकने को वायरक्रेट व दीवारे बनाई जायेगी।

डीएफओ काला ने बडियाडगाड के आठों गांव में ग्रामीणों से मुलाकात कर वनों से जुडी दिक्कतों पर चर्चा की। ग्रामीणों ने उन्हें भेड,बकरी व मवेशियों को जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान का समय पर मुआवजा दिलाने, प्राकृतिक स्रोत, चाल व खाल के संरक्षण को लेकर अवगत कराया।

एसडीएम ने तहसील व नपअ व डीएफओ ने भी रोपे पौधे

संवाददाता पुरोला। विश्व पर्यावरण दिवस पर एसडीएम मनीष कुमार,तहसीलदार चंदन.सिंह राणा व राजस्व कर्मियों ने तहसील परिसर में दो दर्जनों से अधिक फल, छाया दार पौधे रोप कर पर्यावरण संरक्षण,संवर्धन व सुरक्षा का संकल्प लिया वही नगर पंचायत अध्यक्ष हरिमोहन नेगी,डीएफओ सुबोध कुमार काला व ईओ एस चौहान,रेज अधिकारी के0एल शाह समेत नगर पंचायत सातों वार्ड के सभासदों व कर्मचारियों ने परिसर में फलदार,चारापत्ती.व छायादार के दजर्रनो पौधे रोपकर लोगों से वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेने की अपील की।

लंबे दशक के इतंजार के बाद वन अधिनियम पेंच से मिली मुक्ति

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

लोगों की उम्मीदें जगी

पिथौरागढ़। डेढ साल से प्रस्तावित आंवलाघाट गंगोलीहाट सड़क को लंबे दशक के इंतजार के बाद वन अधिनियम के पेंच से आखिरकार मुक्ति मिल ही गई।

बता दें कि अब बहुत जल्द सड़क के निर्माण होने की उम्मीद रंग लाने वाली है। अब इस सडक के बनने से गंगोलीहाट व पिथौरागढ़ के बीच की दूरी में लगभग दस किमी कम हो जायेगी।

जानकारी के मुताबिक डेढ साल पूर्व जिला मुख्यालय के बांस से तहसील गंगोलीहाट मुख्यालय तक सड़क प्रस्तावित की गई थी। इस सड़क को बांस से रामगंगा नदी के तट पर स्थित आंवलाघाट तक और गंगोलीहाट से अग्रैन तक सड़क निर्माण को अब स्वीकृति मिल चुकी है। लंबे दशक के इंतजार के बाद अब सड़क को वन अधिनियम के पेंच से मुक्ति मिल गई है। अग्रौन से आंवलाघाट तक सड़क निर्माण के चलते प्रभावित होने वाले व्रक्षों और वन भूमि की 102 लाख की क्षतिपूर्ति लोक निर्माण विभाग ने जमा करा दी है। अब सड़क निर्माण को लेकर जो बाधा थी वह पूरी तरीके से समाप्त हो चुकी है।

बता दें कि सडक निर्माण का उदेश्य गंगोलीहाट तहसील की भैरंग पटटी के अंतर्गत आने वाले दर्जनों गांवों को सड़क सुविधा के साथ लाभ पहुंचाना व पिथौरागढ़ व गंगोलीहाट तहसील की दूरी को कम करना भी है। इस समय के दौरान पिथौरागढ़ से घाट होते हुए गंगोलीहाट जाया जाता है। इस दूरी को तय करने में लगभग 77 किमी की दूरी तय करनी पड़ रही है। अब आंवलाघाट गंगोलीहाट सड़क के बन जाने से अब कुल दूरी 57 किमी के आस पास रह जायेगी। अब केवल दो घंटे से भी कम के अंतराल के भीतर गंगोलीहाट से जिला मुख्यालय आसानी से पहुचा जा सकेगा।

क्षेत्र की विधायक मीना गंगोला का कहना है कि अब जल्द से जल्द सड़क निर्माण का काम पूरा करा लिया जायेगा। इस सड़क के निर्माण से इससे जुड़े गांव भैरंग पटटी को विकास की गति मिल सकेगी।

समलैंगिक हूं, फिर भी नाबालिग लड़की से जबरन करा दी शादी

संवाददाता नैनीताल। उत्तराखंड की नैनीताल पुलिस ने गुरुवार को बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के 16 साल के बेटे की ओर से बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को एक पत्र लिखकर दावा किया गया था कि वह समलैंगिक है, फिर भी उसके पिता ने उसे 16 साल की रामपुर की रहने वाली एक लड़की से शादी करने के लिए मजबूर किया। लड़के की ओर से सीडब्ल्यूसी को लिखे गए पत्र और पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार, उसने 20 मार्च को लड़की से शादी की थी। पत्र में उसने लिखा है, मैं समलैंगिक हूं और मेरे पिता को यह बात पता थी। फिर भी मेरे पिता मुझे उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के टांडा ले गए और वहां एक बैंक्वेट हॉल में मेरी शादी लड़की से कर दी। लड़की की उम्र भी 16 साल है और मैं अपने पिता से विनती करती रहा कि मैं उससे शादी नहीं करना चाहता, लेकिन मेरे माता–पिता ने मेरी बात नहीं मानी। मुझे धमकी भी दी गई कि अगर मैंने उससे शादी नहीं की तो मुझे मार दिया जाएगा।